

Tulsi Aarti: Jai Jai Tulsi Mata

Verse 1

जय जय तुलसी माता, मैया जय तुलसी माता।
सब जग की सुख दाता, सबकी वर माता ॥

*Jay jay tulsi mata, maiya jay tulsi mata.
Sab jag ki sukh data, sabki var mata ॥*

Verse 2

सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर,
रुज से रक्षा करके भव त्राता ॥

*Sab yogan ke oopar, sab rogon ke oopar,
Ruj se raksha karke bhav trata ॥*

Verse 3

बटु पुत्री है श्यामा, सुर बल्ली है ग्राम्या,
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता ॥

*Batu putri hai shyama, sur balli hai gramya,
Vishnu priye jo tumko seve, so nar tar jaata ॥*

Verse 4

हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वंदित,
पतित जनों की तारिणी, तुम हो विख्याता ॥

*Hari ke shish virajat, tribhuvan se ho vandit,
Patit janon ki tarini, tum ho vikhyata ॥*

Verse 5

लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में,
मानव लोक तुम्हीं से, सुख-संपति पाता ॥

*Lekar janma vijan mein, aaye divya bhavan
mein,*

Manav lok tumhin se, sukh-sampati pata ॥

Verse 6

हरि को तुम अति प्यारी, श्याम वर्ण सुकुमारी,
प्रेम अजब है उनका, तुमसे कैसा नाता ॥

*Hari ko tum ati pyari, shyam varna sukumari,
Prem ajab hai unka, tumse kaisa nata ॥*